SEAT No._____ No. of Printed Pages : 2

[A-14]

SARDAR PATEL UNIVERSITY

M.A.(PREVIOS) EXTERNAL EXAMINATION

THURSDAY, 19-04-2018

10-00 A.M.to 1-00 P.M.

HIN-403 (Paper-III)

(आधुनिक गद्य साहित्य)

पूर्णांक : 100

प्रश्न-1 गद्यमहाकाव्य के रूप में 'गोदान' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

अथवा (20)

'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास की तात्विक समीक्षा कीजिए।

प्रश्न-2 'चन्दगुप्त' नाटक के आधार पर चाणक्य का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा (20)

'पथ के साथी' रेखाचित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न-3 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबन्ध की मूल संवेदना को उजागर कीजिए।

अथवा

'पत्नी' कहानी की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए। (20)

प्रश्न-4 टिप्पणियाँ लिखिए : (20)

अ. 'पुरस्कार' कहानी का संदेश

अथवा

अ. 'गोदान' उपन्यास का होरी

ब. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास में प्रेम निरूपण

अथवा

ब. निराला भाई

प्रश्न-5 ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। (20)

अ. "तुम लोगों ने किसानों को लूट-लूटकर मज़ूर बना डाला और आप उनकी जमीन के मालिक बन बैठे हैं। तीस के दो सौ ! कुछ हद है ! कितने दिन हुए होंगे दादा?"

[P.T.O.]

अथवा

अ "त्याग और क्षमा, तप और विद्या-तेज और सम्मान के लिए हैं। लोहे और सोने के सामने सिर झुकाने के लिए हम लोग ब्राह्मण नहीं बने हैं। हमारी दी हुई विभूति से हमीं को अपमान किया जाय, ऐसा नहीं हो सकता।"

ब. "मनुष्य ज्योंही समाज में प्रवेश करता है, उसके सुख और दुःख का बहुत सा अंश दूसरे को क्रिया या अवस्था पर अवलंबित हो जाता है।"

अथवा

ब. "मैंने सोचा था कि बरसों तुम सबसे अलग रहने के बाद अवकाश पाकर परिवार के साथ रहूँगा खैर, परसों जाना है। तुम भी चलोगी?"